फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 10 मार्च 2025
वर्ष 6, अंक 109, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी से निकले फाल्गुन के रंग

रिद्धिमा में फाल्गुन के रंग में नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार शाम ''फाल्गुन के रंग'' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी से फाल्गुन के रंग निकले। तीनों विधाओं के गुरुओं ने होली गीतों को अपनी विधाओं में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत रिद्धिमा के गायन के विद्यार्थियों ने होली गीत रसिया को नार बनाओ री और पिचकारी न चलाओ गिरधारी ललना, गायन गुरु शालिनी पांडेय ने होली कनक भवन में खेलत सिया रघुवीर, गुरु प्रियंका ग्वाल ने बौरी है अम्बुवा की डाल, गीत फूटे फागुन के, इंदु परडल ने पिया तोसे नैना लागे रे गाकर श्रोताओं पर मंत्रमुग्ध कर दिया। गुरु तनाया भट्टाचार्य ने भरतनाट्यम, अंशु शर्मा ने खेले बृज में होली को कथक, गुरु रोबिन ए ने महाकवि जयदेव रचित अष्टपदी हरि रिहा मुग्धा वादु को भरतनाट्यम के जरिये प्रस्तुत किया। गुरु रियाश्री चटर्जी ने भी प्रस्तुति दी। उमेश मिश्रा (सारंगी), अमर नाथ और सुमन विश्वास (तबला, ढोलक), अनुग्रह सिंह (ड्रम, कीबोर्ड), टुकु मनी सेन (हारमोनियम), विशेष सिंह (गिटार) और जोशुना मैसी (कीबोर्ड) ने वाद्ययंत्रों से फाल्गुन के रंग बिखेरने में मदद की। ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ . रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डॉ . प्रभाकर गुप्ता, डॉ . अनुज कुमार, डॉ . शैलेश सक्सेना, डॉ . रीटा शर्मा आदि मौजूद रहे।